3. Write short notes on any **two** of the following : 5+5=10

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(a) Kathasaritasagar
कथासरित्सागर

(b) Narayan Pandit
नारायण पंडित

(c) Mitra - Laabh
मित्र लाभ

(d) Writing style of Chanakyaneeti
चाणक्यनीति की रचना शैली

***

[This question paper contains 4 printed pages]

Your Roll No. : .....

Sl. No. of Q. Paper : **2784** **I**

Unique Paper Code : 2131001001

Name of the Paper : Advance Neeti Literature in Sanskrit (Sanskrit A)

Name of the Course : **Common Prog. Group, AEC – Sanskrit.**

Semester : I

Time : 2 Hours ***Maximum Marks : 60***

Instructions for Candidates :

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

(a) Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

(b) Answer may be written either in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**; but the same medium should be used throughout the paper.

इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **संस्कृति** या **हिंदी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तर एक ही भाषा में होने चाहिए।

1. Answer any **two** of the following : 15+15=30

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(a) Write an essay on the origin and development of Nitikavya.

नीति काव्य के उद्भव एवं विकास पर निबन्ध लिखिए।

(b) Review "उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः" according to Hitopadesha.

हितोपदेश के अनुसार "उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः" की समीक्षा कीजिए।

(c) According to Chanakyaniti, Explain

"वर्जयेत् तादृशं मित्रं विषकुम्भं पयोमुखम्"

चाणक्य नीति के अनुसार "वर्जयेत् तादृशं मित्रं विषकुम्भं पयोमुखम्" को स्पष्ट कीजिए।

(d) Explain the purpose of the composition of the Panchatantra as described in the Mitrabheda section.

मित्रभेद में वर्णित पञ्चतन्त्र की रचना का उद्देश्य प्रतिपादित कीजिए।

2. Write short answer on any **two** of the following : 10+10=20

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का संक्षिप्त उत्तर दीजिए :

(a) According to Chanakya, why is it necessary for a person to have qualities ?

चाणक्य के अनुसार व्यक्ति में गुणों का होना क्यों आवश्यक है ?

(b) What is the meaning of **"अभोगेन हृतं धनम्"** ?

"अभोगेन हृतं धनम्" का क्या तात्पर्य है ?

(c) What do you understand by the statement mentioned in "Suhritbheda". **"नाभिषेको न संस्कार" सिंहस्य क्रियते मृगैः, विक्रनार्जितराज्यस्य स्वयमेव मृगेन्द्रता"**?

सुहृतभेद में कथित "नाभिषेको न संस्कारः सिंहस्य क्रियते मृगैः, विक्रनार्जितराज्यस्य स्वयमेव मृगेन्द्रता", इस कथन से आप क्या समझते हैं ?

(d) Analyse **"विद्या ददाति विनयम्"** according to Hitopdesha.

हितोपदेश के अनुसार **"विद्या ददाति विनयम्"** का विवेचन कीजिए।